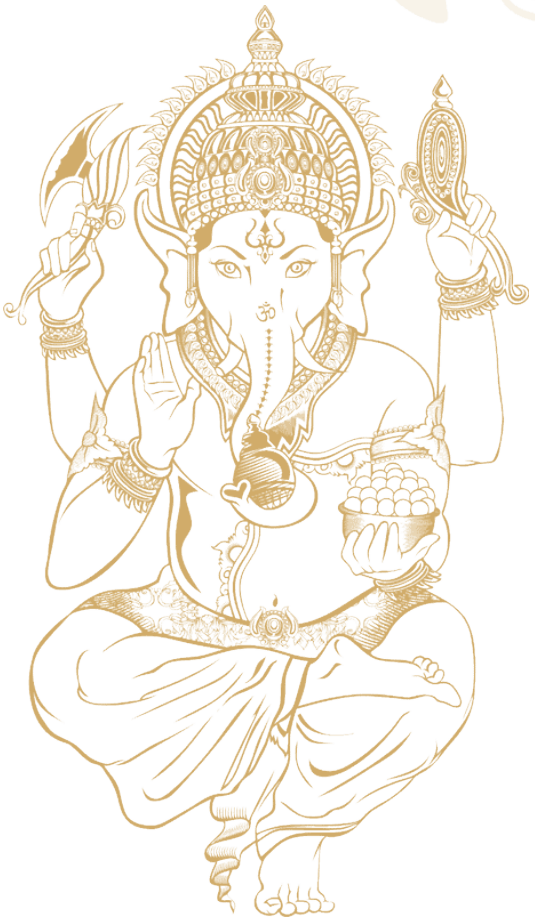

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/07/2000	जन्म तिथि	04/07/2000
शनिवार	दिन	मंगलवार
घंटे 19:09:00	जन्म समय	19:45:00 घंटे
घटी 33:54:44	जन्म समय(घटी)	35:46:22 घटी
India	देश	India
Aligarh	स्थान	Hathras
27:54:00 उत्तर	अक्षांश	27:36:00 उत्तर
78:04:00 पूर्व	रेखांश	78:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:44	स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:35:06	सूर्योदय	05:27:15
19:12:51	सूर्यास्त	19:17:08
23:51:38	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:36

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 4वर्ष 10मा 2दि	06:11:16	मक	लग्न	धनु	27:02:32	बुध 2वर्ष 3मा 6दि
केतु	06:10:36	कर्क	सूर्य	मिथु	19:02:05	शुक्र
25/05/2022	13:16:12	मीन	चंद्र	कर्क	28:13:21	10/10/2009
25/05/2029	29:58:26	मिथु	मंगल	मिथु	18:10:42	10/10/2029
केतु 22/10/2022	17:41:54	मिथु	बुध व	मिथु	22:00:23	शुक्र 08/02/2013
शुक्र 22/12/2023	10:28:27	वृष	गुरु	वृष	07:01:25	सूर्य 09/02/2014
सूर्य 28/04/2024	17:29:32	कर्क	शुक्र	मिथु	25:23:38	चन्द्र 10/10/2015
चन्द्र 27/11/2024	04:50:01	वृष	शनि	वृष	03:09:28	मंगल 10/12/2016
मंगल 25/04/2025	00:43:59	कर्क व	राहु	कर्क	00:45:45	राहु 10/12/2019
राहु 13/05/2026	00:43:59	मक व	केतु	मक	00:45:45	गुरु 10/08/2022
गुरु 19/04/2027	25:44:57	मक व	हर्ष व	मक	26:20:48	शनि 10/10/2025
शनि 28/05/2028	11:27:49	मक व	नेप व	मक	11:55:51	बुध 10/08/2028
बुध 25/05/2029	16:31:01	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	16:51:00	केतु 10/10/2029

लग्न-चलित

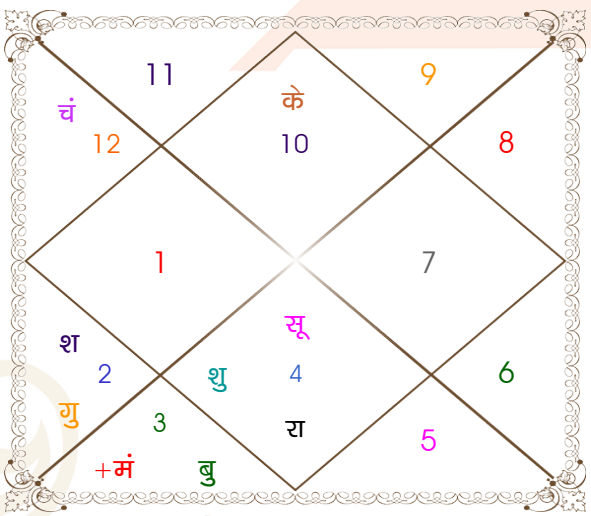

लग्न-चलित

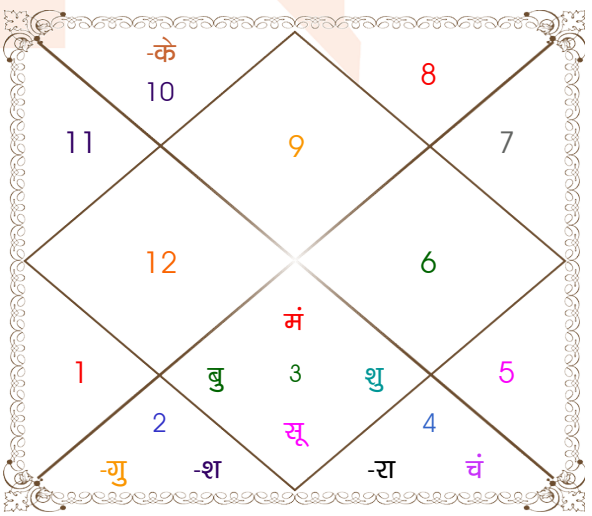

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मीन	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग सिंह है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता

है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।